

वानिकी समाचार

अनुक्रमणिका

पृ.सं.	शीर्षक
01	महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष
02	गणमान्य व्यक्तियों का दौरा
03	कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें
04	प्रशिक्षण कार्यक्रम
07	वृक्ष उत्पादक मेला / किसान मेला
08	प्रकाशन
08	परामर्शी
08	शासक मण्डल (बी.ओ.जी.) की बैठक
08	वन विज्ञान केन्द्र एवं प्रदर्श ग्रामों के अंतर्गत क्रियाकलाप
08	विविध
08	आकाशवाणी / दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना
09	समझौता ज्ञापन (एम ओ यू)
09	अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियाँ
09	मानव संसाधन समाचार

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

- वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान और बायोटेक्नोलाजी विभाग भारत सरकार द्वारा दायर संयुक्त पेटेंट के आधार पर डी.एन.ए. पृथक्करण किट (आर्बर ईजी™) विकसित किया गया। पेटेंट की आविष्कारक डॉ. मोधुमिता दास गुप्ता और डॉ. राधा वेलुथक्कल हैं। तत्पश्चात प्रौद्योगिकी को बाजार की आवश्यकताओं के आधार पर उन्नत किया गया तथा वर्ष 2016 में, एक स्पिन कॉलम आधारित डी.एन.ए. पृथक्करण किट, भारतीय वानिकी एवं अनुसंधान परिषद् की प्रत्यक्ष ग्राहक योजना के अंतर्गत विकसित की गयी और वर्ष 2017 में



आर्बर ईजी डी.एन.ए. पृथक्करण किट व.अ.वृ.प्र.सं कोयम्बटूर में लांच किया गया

आर्बर ईजी™ व्यापार चिन्ह के नाम से पंजीकृत किया गया। किट बृहद प्रकार के ऊतकों से पौध आनुवंशिक डी.एन.ए. के पृथक्करण हेतु एक स्वदेशी, गैर-जैव हानिकारक एवं कम लागत में स्पिन कॉलम आधारित प्रणाली प्रदान करता है। किट के प्रदर्शन की पुष्टि विभिन्न राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं द्वारा की गई। संस्थान ने वर्तमान में किट के व्यवसायीकरण हेतु अदास्त्रा आई.पी. प्राइवेट लिमिटेड गुरुग्राम, नई दिल्ली के साथ साझेदारी की है। प्रमुख देशों में अपनी उपस्थिति के साथ अदास्त्रा आई.पी. प्राइवेट लिमिटेड भारत एवं अन्य एशियाई देशों में किट के विपणन हेतु वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान के साथ समन्वय कर रही है। डॉ. मीनाक्षी मुंशी, वैज्ञानिक-जी एवं सलाहकार, बायोटेक्नोलाजी विभाग भारत सरकार ने 24 जनवरी 2018 को संस्थान परिसर में किट को लांच किया। डॉ. सतीश कुमार, सह-प्राध्यापक, बायोटेक्नोलाजी विभाग, भरथीआर विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर ने भी कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने चुनौतीपूर्ण ऊतकों के संवर्द्धन में किट की पुष्टि की तथा किट के उपयोग में अपना अनुभव साझा किया।

मेलिना अरबोरिया कृन्तकों का विकास और परीक्षण:

- मेलिना अरबोरिया एक तेजी से बढ़ने वाली, पर्णपाती एवं बहुउद्देशीय

वृक्ष प्रजाति है। यह भारत, बर्मा और श्रीलंका के प्राकृतिक वनों में फैली है। इसकी लकड़ी का प्रयोग निर्माण कार्यों, फर्नीचर, कागज, लुगदी, हस्तशिल्प, प्लाई काष्ठ और शल्क फलक उद्योगों में कच्चे माल के रूप में होता है। इसकी जड़ों का प्रयोग बुखार, चेचक, सर्प दंश, रक्त की उल्टी के उपचार तथा अनेकों आयुर्वेदिक नुस्खों में होता है। अचयनित बीज स्रोतों से मेलिना पौध के विकास का परिणाम खराब वृक्ष रूप एवं कम उत्पादकता होता है। कृन्तकीय पौध रोपण अच्छी उत्पादकता एवं बेहतरीन वृक्ष रूप हेतु एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कृन्तक पौध की अनुपलब्धता एवं गुणवत्ता रोपण सामग्री के अभाव में भारत में कृन्तकीय पौधरोपण का प्रचलन नहीं है। कृषकों के पौधालयों और प्राकृतिक वनों से विकास श्रेष्ठता एवं काष्ठ लक्षणों के आधार पर 60 कैंडिडेट धन वृक्षों का चुनाव किया गया। चयनित वृक्षों को आनुवंशिक हानि से बचाने के लिये उन्हें भू-स्तर से 25-30 से.मी. ऊपर से गिराया गया। कॉपिस कोपलें तना गिराने के 2-3 सप्ताह पश्चात निकली तथा इन कोपलों को एकत्रित किया गया और इन्हें आई बी ए के 2000PPM से उपचार कर इनकी वंशानुवृद्धि की गई। व.आ.वृ.प्र.सं. ने दक्षिण भारत के 60

विभिन्न भागों से चुने हुए 60 कृन्तकों के साथ *मेलिना अरबोरिआ* के वंशानुगत वृद्धि बागों का विकास किया है। चयनित क्लोनों की विकास क्षमता का हितधारकों को प्रदर्शन करने की आवश्यकता ही किसी भी कृन्तकीय विकास कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। *मेलिना अरबोरिआ* के कृन्तकीय परीक्षण का प्रदर्शन तमिलनाडु के सुथामल्ली, एरियालुर में कृषकों के भूखंडों में स्थापित किया गया। परीक्षणखंडों में 30 कृन्तक 4x4 मीटर और 5 प्रतिरूपों में 4 शाखाए प्रति प्रतिकृत में यादृच्छिक ब्लॉक अभिकल्पों में स्थापित किये गये। कृन्तकीय परीक्षण कृषकों के बीच एक प्रदर्शन परीक्षण के रूप में कार्य करेगा।

वन अनुसंधान संस्थान देहरादून:

- परियोजना "रोगाणु प्रभाव के अंतर्गत *साइमबोपोगान विन्टरीअनस* की मेवालोनेट (एम.वी.ए.) पाथवे तथा मिथाइल एरिथ्रिटोल 4-फॉस्फेट (एम. ई.पी.) पाथवे ट्रांसक्रिप्टस का एक्सप्रेसन प्रोफाइलिंग" पर गैस क्रोमैटीग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जी सी-एम एस) प्रयोगशाला में विश्लेषण किया गया जिसने *जावा साइट्रोनेला* की रोगग्रस्त एवं स्वस्थ पत्तियों से निष्कर्षित तेलों में कई प्रमुख रासायनिक घटकों की उपस्थितियों का संकेत दिया। हालांकि, रोगग्रस्त, पत्तियों से निष्कर्षित तेल में सभी प्रमुख घटकों की मात्रा में वृद्धि हुई। यह निष्कर्ष सिद्ध करते हैं कि संक्रमण के प्राथमिक चरणों में पौधे संक्रमण से प्रतिरोध हेतु रक्षा पंक्ति के रूप में अधिक टर्पीन उत्पन्न करते हैं।
- तितलियों की दो प्रजातियों का जीवन इतिहास का अध्ययन उन्हें प्रयोगशाला में पिज्रों में पालन करके किया गया। 9 उप-प्रकारों के वनों से पौधों (वृक्षों, शाकों और जड़ी बूटियों) के नमूनों के 32 पादपालय नमूने लिये गये तथा नमूनों के भूखंडों की पहचान कर प्रतिदर्श भूखंडों के वनस्पतियों पर आंकड़ा भंडार तैयार किया गया।
- प्रत्येक कैबिनेट के सम्पूर्ण दराजों का डिजिटलीकरण: सम्पूर्ण दराजों की तस्वीरों का संपादन पूर्ण किया गया। ट्रे की स्लाइडों की तस्वीरों का संपादन पूर्ण किया गया। ट्रे की स्लाइडों का डिजिटलीकरण: चार बक्सों में 160 ट्रे की तस्वीर खींची गई। छोटे कीटों का डिजिटलीकरण: कैबिनेट संख्या 2 में हाइमेनोप्टेरा की 140 प्रजातियों को एस.एम.जेड. -160 स्टीरियो जूम सूक्ष्मदर्शी पर ऑटोमॉन्टज 3-डी चित्रण प्रणाली लगाकर डिजिटलीकृत किया गया। प्रत्येक प्रजाति की तस्वीरें एन.एफ. आई.सी. में पंजीकृत प्रजातियों की प्रवृष्टि संख्या के नाम पर नामित फोल्डर में दर्ज की गई। फोटोग्राफ किये गये कीट का अभिलेख दर्ज किया गया तथा भविष्य के संदर्भ हेतु एक श्वेत कागज डिस्क के साथ कीट को चिन्हित किया गया। एन.एफ.आई.सी. के आंकड़ा-आधार प्रारूप को भी अद्यतन किया गया।
- जैव-इथेनॉल उत्पादन हेतु हेमीसेलुलोज प्रचुरित तथा पूर्व उपचारित एल्कोहॉल का सूक्ष्म एंजाइमों के द्वारा मोनो शर्करा उपज बढ़ाने हेतु पृथक्करण किया गया।
- आनुवंशिक एवं वृक्ष प्रजनन प्रभाग शाखा द्वारा प्रदर्शन क्षेत्र परीक्षण एवं वानस्पतिक प्रजनन बाग (वी.एम.जी.) की स्थापना ऊतक संवर्धन से *कोरम्बिया* संकर प्रजाति को विकसित करने के लिये की गई।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

- वनीकरण में बहिः स्राव के उपयोग के अंतर्गत, शुष्क बायोमास का उत्पादन स्तर दोनों प्रजातियों के साथ-साथ सिचाई स्तर के कारण काफी भिन्न है। एक महत्वपूर्ण प्रजाति 'एक्स' ने सिचाई स्तर से बायोमास उत्पादन में निर्भरता दिखाई। प्रजातियों में क्रमशः बायोमास उत्पादन में वृद्धि हुई: 1/2 PE (पैन वाष्पीकरण) पर जल उपयोग <112

PE पर प्रवाह <3/4 PE पर प्रवाहीय जल <1/4 PE पर प्रवाह जल द्वारा आई.पी.ई. का स्तर देखा गया। (ट्यूब वैल के जल द्वारा सिचाई पर) बायोमास उत्पादन में तीन गुना भिन्नता के साथ प्रजातियों में बायोमास उत्पादन में इस क्रम में बढ़ा *तामारिक्स अफाइला* <*प्रोसोपिस सीनेरिया* <*साल्वाडोरा ओलेओइडस* <*यूकेलिप्टस कैमाल्डुलेंसिस* <*एस. पर्शिया* <*एजाडिरिक्टा इंडिका* <*पी. जूलीफलोरा*।

- एलथस एक्सेलसा* (अरडू) के नर वृक्षों में काफी अधिक नवपर्ण सतह क्षेत्र (एफ= 87.475, पी< 0.01), नवपर्ण की लंबाई तथा मादा वृक्षों की तुलना में विनलैटों की संख्या अधिक है। जबकि, नर वृक्ष (9.86± 0.85) की तुलना में मादा वृक्षों में रंधक सूचकांक अधिक था। लेकिन यह अन्तर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं था।
- डीसा (गुजरात) में दो अलग-अलग ऋतुओं में एकत्रित *सी. विघटी* के बीजों का विश्लेषण किया गया। निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि गर्मियों में एकत्रित बीजों (जुलाई में 34.5%) की तुलना में सर्दियों (नवम्बर 75.3%) में काले बीजों का अनुपात काफी अधिक था। गर्मियों और सर्दियों के एकीकृत आंकड़े कुल बीज संख्या और काले बीजों की संख्या दोनों में महत्वपूर्ण अंतर दर्शाते हैं।

गणमान्य व्यक्तियों का दौरा

- उत्तराखंड के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल श्री विनय कुमार तिवारी ने 12 जनवरी 2018 को वन अनुसंधान संस्थान देहरादून का दौरा किया।



श्री विनय कुमार तिवारी, चीफ पोस्ट मास्टर जनरल उत्तराखंड व.अ.सं., देहरादून में

- राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के वरिष्ठ डायरेक्टिंग स्टॉफ (मेजर जनरल/संयुक्त सचिव के समकक्ष पद) ने 30 जनवरी 2018 को वन अनुसंधान संस्थान का दौरा किया।



व.अ.सं. देहरादून में राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज, रक्षा मंत्रालय नई दिल्ली के मेजर जनरल/संयुक्त सचिव

कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें:

कृ.स.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर			
1.	राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति 2014 तथा इसकी भूमिका-रेड सैंडर्स एवं चन्दन उत्पादन	24 जनवरी 2018	130 कृषक
2.	शीत-परिरक्षण और इसका महत्व	25 जनवरी 2018	66 वैज्ञानिक, अधिकारी एवं अनुसंधान कार्मिक (एस.आर.एफ. जे.आर.एफ, आर.ए. व एफ. ए.)



व.आ.वृ.प्र.सं. कोयम्बटूर में, राष्ट्रीय कृषि वानिकी नीति 2014 पर कार्यशाला तथा रेड सैंडर्स तथा चंदन उत्पादन में इसकी भूमिका



व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में शीत-परिरक्षण तथा इसके महत्व पर आवधिक संगोष्ठी

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलुरु

3.	संस्थान उद्योग समेकन (III-2018) कार्यशाला	19 जनवरी 2018	उद्योगों, सम्मिश्रित उत्पादकों एवं उपयोगकर्ता उद्यमियों, नव-उद्यमों, काष्ठ एवं सम्मिश्रित निर्माताओं, वास्तुकारों, बिल्डर्स और उपयोगकर्ता संस्थाओं के 55 प्रतिनिधि
----	-------------------------------------------	---------------	--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------



का.व.प्रौ.सं., बंगलुरु में संस्थान उद्योग समेकन (III-2018) पर कार्यशाला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

4.	वन प्रमाणीकरण	13 जनवरी 2018	विभिन्न राज्यों के वानिकी वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, शोधकर्ता, छात्र एवं वन पदाधिकारी
5.	जैव विविधता संरक्षण	25 जनवरी 2018	वैज्ञानिक, अधिकारियों सहित अनुसंधान एवं तकनीकी सहायता कार्मिक

वन उत्पादकता संस्थान, राँची

6.	आजीविका आर्थिक विकास	30 जनवरी 2018	सभी अधिकारी/वैज्ञानिक/तकनीकी कर्मचारी/मंत्रालयी कर्मचारी/अनुसंधान अध्येता आदि
----	----------------------	---------------	-------------------------------------------------------------------------------

प्रशिक्षण:

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
1.	तटीय पारितंत्र का संरक्षण और प्रबंधन	8-12 जनवरी 2018	12 समादेशक/उप-समादेशक
2.	खाद्य एवं औषधीय मशरूम कृषि	15-19 जनवरी 2018	भा.वा.अ.शि.प. के विभिन्न संस्थानों के तकनीकी अधिकारी
3.	लैंटाना कमारा से हस्तनिर्मित कागज	15-19 जनवरी 2018	रामगढ़ सीकरी कडी क्षेत्र जिला होशियापुर के ग्राम मेली से स्वयं सहायता समूह
4.	बीज प्रौद्योगिकी	21-24 जनवरी 2018	उत्तर प्रदेश वन विभाग के पी.सी.सी.एफ., सी.सी.एफ., एफ.आर.ओ. और फॉरेस्टर पद के 16 अधिकारी तथा हरियाणा वन विभाग के पांच रेंज अधिकारी
5.	आधारभूत ऊतक संवहन तकनीकियां	26 दिसम्बर 2017 से 5 जनवरी 2018	इफको, कालोल गुजरात के पदाधिकारी
		3-5 जनवरी 2018	हरियाणा वन प्रभाग के कर्मचारी



व.अ.सं., देहरादून में बीज प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण



खाद्य एवं औषधीय मशरूम पर व.अ.सं. देहरादून में कृषि प्रशिक्षण



व.अ.सं. देहरादून में तटीय पारितंत्र संरक्षण एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

6.	आण्विक जीव विज्ञान तकनीकों पर प्रारंभिक प्रशिक्षण	8-12 जनवरी 2018	14 भा.वा.अ.शि.प. वैज्ञानिक
7.	जैव-पूर्वक्षण पर व्यावहारिक व क्रियाशील प्रशिक्षण-यंत्रीकरण विधियां और पादप रासायनिक विश्लेषण	22-23 जनवरी 2018	19 स्नातक, परास्नातक, स्नातकोत्तर तथा जैव प्रौद्योगिकी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री के छात्र, पी.एच.डी. अध्येता एवं प्रवक्ता
8.	अनुसंधान पद्धति, गुणवत्क बीज उत्पादन तथा बीज हैंडलिंग तकनीकें	23-24 जनवरी 2018	30 रेजर्स, फारेस्टर एवं वन आनुवंशिकी मंडल के अंतर्गत कार्यरत वरिष्ठ शोध अध्येता, कनिष्ठ शोध अध्येता व तकनीकी सहायक
9.	कृषि वानिकी मॉडल-स्थापन एवं प्रबंधन	29-31 जनवरी 2018	30 केवीके विषय/वस्तु विशेषज्ञ



व.अ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में कृषि वानिकी मॉडलों की स्थापना एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण



व.अ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में आण्विक जीवविज्ञान तकनीकों पर प्रारंभिक प्रशिक्षण



व.अ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में अनुसंधान पद्धतियों, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तथा बीज हैंडलिंग तकनीकों पर प्रशिक्षण



व.अ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में जैवपूर्वक्षण-उपकरणीय विधियों तथा पादप रासायनिक विश्लेषण पर प्रशिक्षण

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान

10.	मोरिंगा ओलिफेरा पत्रकों के पोषक लाभ तथा मूल्यवर्धन हेतु संभावनाएं	7 जनवरी 2018	स्नातक, स्नातकोत्तर तथा जैव प्रौद्योगिकी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री के पी.एच.डी. अध्येता एवं प्रवक्ता
11.	कृषि वानिकी तंत्र एवं इसका प्रबंधन	8-12 जनवरी 2018	सैम हिगिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एस. एच. यू. ए. टी. एस.) इलाहाबाद के बी.एस.सी. वानिकी के छात्र

काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलुरु

12.	काष्ठ संरक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नवोन्मेषों की सुरक्षा, काष्ठ पॉलिमर सम्मिश्रण, काष्ठ विज्ञान पर औद्योगिक संभावनाएँ, काष्ठ गुणवत्ता में सुधार	8-12 जनवरी 2018	17 भा.व.से अधिकारी
13.	काष्ठ उपचार एवं संरक्षण	12 जनवरी 2018	-
14.	महत्वपूर्ण काष्ठ प्रकारों का क्षेत्र पहचान	23 से 24 जनवरी 2018	महाराष्ट्र वन विभाग, के 32 आर.एफ.ओ.
15.	कीट-पतंगे एवं उनके नुकसान संबंधित पहलू	25 जनवरी 2018	कर्नाटक अकादमी के तीसरे बैच के 47 आर एफ ओ प्रशिक्षु

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

16.	जागरूकता सह कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम	5-6 जनवरी 2018	-
17.	बाँस हस्तशिल्प-मुख्यतः आभूषण बनाना	20-27 जनवरी 2018	-
18.	बाँस ऊतक संवहन	22-25 जनवरी 2018	बी.एस.एस. कॉलेज, सुपौल, बिहार, के प्रशिक्षु
19.	जलस्रोत पुनर्भरण प्रवहन	23 जनवरी 2018	मिजोरम मूल दल के सदस्य
20.	बाँस प्रवर्धन तकनीकें	27 से 28 जनवरी 2018	वन प्रशिक्षण विद्यालय मणिपुर के 19 वें बैच के डिप्टी रेंजर्स
21.	बाँस प्रवर्धन, नर्सरी प्रबंधन, कृषि, संरक्षण, उपचार, मूल्यवृद्धि तथा अगरकाष्ठ: नर्सरी व रोपण	31 जनवरी से 1 फरवरी 2018	राज्य पर्यावरण एवं वानिकी प्रशिक्षण संस्थान (एसई एफ टी आई), दीमापुर के प्रशिक्षु



बाँस प्रवर्धन तकनीकों पर प्रशिक्षण



बाँस हस्तशिल्प मुख्यतः आभूषण बनाने पर प्रशिक्षण



व.व.अ.सं., जोरहाट में जागरूकता एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

22.	जम्मू क्षेत्र के किसानों की आय वृद्धि हेतु औषधीय व सगंध पादपों की व्यापकता एवं महत्व	19 जनवरी 2018	जम्मू क्षेत्र के 65 किसान
-----	--------------------------------------------------------------------------------------	---------------	---------------------------

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

23.	कोटशिल्सा (पुंडग), पश्चिम बंगाल और महिलांग, रांची में लाख कृषि के माध्यम से आजीविका सृजन	17 और 24 जनवरी 2018	कोटशिल्सा (पुंडग), पश्चिम बंगाल और महिलांग, रांची के 31 किसान
-----	------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------	---------------------------------------------------------------



व.उ.सं. रांची में लाख कृषि के माध्यम से आजीविका अर्जन पर प्रशिक्षण



जम्मू क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने हेतु औषधीय व सुगंधित पादपों की व्यापकता और महत्व पर प्रशिक्षण

वृक्ष उत्पादक मेला / किसान मेला

संस्थान	प्रतिभाग / आयोजन	समयावधि	स्थान
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर	पश्चिमी राजस्थान हस्तशिल्प मेला	5 से 14 जनवरी 2018	सेंट्रल स्टाल, रावण का चबूतरा, जोधपुर
वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट	विज्ञान प्रदर्शनी एम.एस.एम.ई. एक्सपो 2018	9 से 11 जनवरी 2018 23 से 24 जनवरी 2018	काकोजन कालेज, काकोजन, जोरहाट कुशल कुंवर इंडोर स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, जोरहाट
हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान	विजन जम्मू और कश्मीर-2018	29-31 जनवरी 2018	उधमपुर (जम्मू और कश्मीर)



काकोजन कालेज जोरहाट में विज्ञान प्रदर्शनी



जोरहाट में एम.एस.एम.ई. एक्सपो



उधमपुर में विजन जम्मू और कश्मीर

प्रकाशन

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने पिछले कुछ दशकों में परिसर के न्यू फॉरेस्ट क्षेत्र में पाई जाने वाली तितलियों की 153 प्रजातियों पर रंगीन छाया चित्र, विषयक, मानचित्र, ग्राफ और सारिणी सहित 45 पृष्ठ की एक पुस्तिका "बटरफ्लाईज ऑफ न्यू फॉरेस्ट" तैयार की है।

परामर्शी

टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक राज्य राजकीय प्राधिकरण; उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लि.; पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लिमिटेड, नोएडा; सी.एम.पी.डी.आई., रांची तथा एन.एम.डी.सी. लि., हैदराबाद द्वारा प्रदत्त 11 परामर्शी परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।

विविध

शासक मण्डल की बैठक (बी.ओ.जी.):

- 9 जनवरी 2018 को इंदिरा पर्यावरण भवन, नई दिल्ली में शासक मण्डल (बी.ओ.जी.) की बैठक आयोजित हुई।

वन विज्ञान केन्द्र एवं प्रदर्श ग्रामों के अंतर्गत क्रियाकलाप:

- वन अनुसंधान संस्थान देहरादून, ने वीवीके – केवीके नेटवर्किंग के अंतर्गत 23-25 जनवरी 2018 को केवीके दमला यमुनानगर हरियाणा में किसानों, गैर सरकारी संगठनों और वन अधिकारियों को "कृषि, संवहनीय कटान एवं औषधीय पादपों के उपयोग" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया।

संस्थान

विशेष दिन/विषयवस्तु

समयावधि

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

स्वच्छ भारत अभियान,
स्वच्छता पखवाड़ा

4,11,18 और 25 जनवरी 2018

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान,
कोयम्बटूर

शहीद दिवस

30 जनवरी 2018



व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर में शहीद दिवस



व.व.अ.सं., जोरहाट में स्वच्छ भारत अभियान

आकाशवाणी / दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना

कार्यक्रम शीर्षक

चैनल

दिनांक

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद्
का राष्ट्रीय वानिकी परिदृश्य में योगदान

विकसित विभिन्न वानिकी प्रौद्योगिकी की
आजीविका सुधार में भूमिका

लकड़ी की सीजेनिंग के लिए FRI का सोलर आपाक

दूरदर्शन

जनवरी 2018

औषधीय पौधों का सतत् विकास

लकड़ी और बांस परिरक्षण क्यों आवश्यक है :
तरीके तथा सावधानियां

जैव उर्वरक द्वारा वानिकी एवं कृषि उत्पादकता बढ़ाना

कृषि वानिकी में आर्थिक स्वावलंबन

कृषि एवं वानिकी में रोगों का पर्यावरण अनुकूल उपचार

आधुनिक कृषि वानिकी में टिशू कल्चर की भूमिका

दूरदर्शन

जनवरी 2018

यूकेलिप्टस के पौधों में गांठों/गाल का बनना एवं उनका नियंत्रण

बांस का संशोधन

उत्तराखंड में पाये जाने वाले प्रमुख औषधीय पौधों का संरक्षण एवं विकास

शहरी क्षेत्रों में पाये जाने वाले पेड़ों (Hazardous trees) की देखभाल

पोपलर पत्तियों से प्रोटीन सांद्र

परिरक्षण द्वारा बांस एवं लकड़ी को कीड़े एवं फफूंद से बचाने के उपाए

आकाशवाणी

जनवरी 2018

हिल बांस- रिंगाल परिचय उपयोगिता एवं संवर्धन

जैविक खाद मृदा एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु समय की आवश्यकता

कृषि वानिकी से आर्थिक स्वावलंबन वानिकी एवं कृषि उत्पादकता बढ़ाना

कृषि एवं वानिकी में रोगों का पर्यावरण अनुकूल उपचार

पहाड़ी बांस

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

जैव प्रौद्योगिकी की वानिकी में भूमिका

आकाशवाणी, कोयम्बटूर

8 जनवरी 2018

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान जोरहाट

त्रिपुरा में झाड़ू (ब्रूम) घास कृषि का प्रसार

स्थानीय टीवी चैनल 'हेडलाइंस त्रिपुरा'

19 जनवरी 2018

समझौता ज्ञापन

- भा.वा.अ.शि.प., देहरादून और भारतीय प्राणिविज्ञान सर्वेक्षण (जेड.एस.आई.), कोलकाता के बीच अगले 10 वर्षों के लिए समझौता ज्ञापन पर 10 जनवरी 2018 को हस्ताक्षर हुए।
- निम्न के मध्य समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की प्रक्रिया जारी है:
 - भा.वा.अ.शि.प., देहरादून और प्रौद्योगिकी सूचना पूर्वानुमान और आकलन परिषद् (टी.आई.एफ.ए.सी) नई दिल्ली।
 - वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान और श्री राम कॉलेज ऑफ आर्ट्स एवं साइंस (एस.आर.सी.ए.एस.), कोयम्बटूर।
 - का.वि.प्रौ.स. बंगलुरु और बाइएस्से मैनुफैक्चरिंग कं.प्रा.लि।
 - व.व.अ.सं. जोरहाट और मध्य प्रदेश राज्य बांस मिशन (एम.पी.एस.बी.एम.), मध्य प्रदेश।
 - पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार और ब्रिटिश कोलम्बिया विश्वविद्यालय (यू.बी.सी.) वैनकूवर, कनाडा।

अन्य महत्वपूर्ण क्रियाकलापः

- शुष्क वन अनसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत हस्तशिल्प उद्योगों के लिए वैकल्पिक काष्ठ प्रजातियों के फसल कटान प्रौद्योगिकियों हेतु *अजाडिरक्टा इंडिका* और *अकेशिया सेनेगल* पर हस्तशिल्प अध्ययन तैयार किया गया।

मानव संसाधन समाचारः

नाम एवं पदनाम	दिनांक	सेवानिवृत्त	दिनांक
भा.वा.अ.शि.प. से प्रत्यावर्तन/कार्यमुक्ति		डॉ. एस.ए.अंसारी, वैज्ञानिक-जी एवं निदेशक व.उ.सं., रांची	31.01.2018
श्री अरुण कुमार डेका, उप वन संरक्षक	31.01.2018	डॉ. डी. के. मिश्र, वैज्ञानिक-एफ, शु.व.अ.स., जोरहाट	31.01.2018
व.व.अ.स. जोरहाट		श्री एच.पी. सिंह वैज्ञानिक-ई, व.अ.स., देहरादून	31.01.2018



संरक्षकः

डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक

संपादक मंडलः

श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग)

श्री रमाकांत मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से परिचालन करने हेतु प्रकाशित।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित लेखों से संपादक मंडल की सहमति अनिवार्य नहीं है।
- यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।